RAJASTHAN MANTRA PRATISTHAN

(राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान)

For

(Diploma in Mantra Methodology & Therapy)

(मन्त्र साधना पद्धति और चिकित्सा विषयक डिप्लोमा पाठ्यक्रम)

(DMMT)

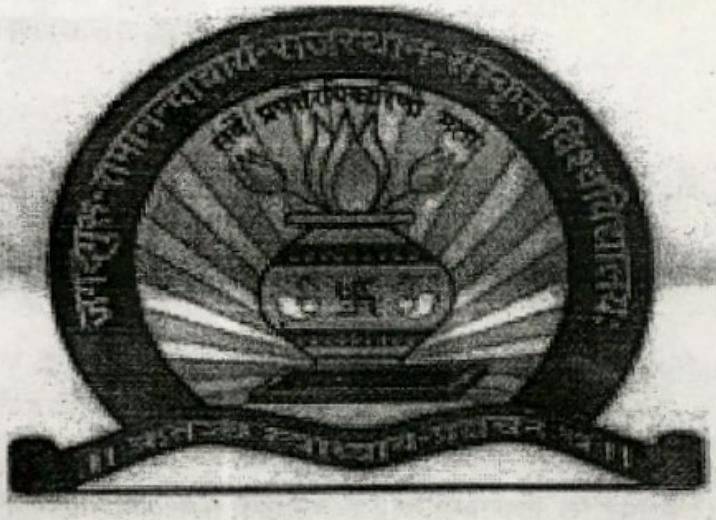

JRR SANSKRIT UNIVERSITY

Village Madau, Post- Bhankrota,

Jaipur, Rajasthan-302026

27/2/2020

30/5/2020

Scanned with CamScanner

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय

ग्राम - मदाऊ, पोस्ट - भांकरोटा, जयपुर, (राज.) - 302026

राजस्थान मंत्र प्रतिष्ठान के उद्देशित एक वर्षात्मक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए नियम व उद्देश्य

प्रवेश व अध्ययन नियम :–

1. प्रवेश हेतु योग्यता :– किसी भी विषय से बारवीं कक्षा/ समकक्ष परीक्षा में 40 % प्रतिशत से उत्तीर्ण छात्र प्रवेश योग्य होगा।
2. पाठ्यक्रम अवधि :– 01 वर्षात्मक पूर्णकालीन पाठ्यक्रम (**one year regular course**)
3. सैद्धान्तिक व प्रायोगिक प्रश्न पत्र में अलग–अलग उत्तीर्ण होना आवश्यक है।
4. सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षा के लिये 75 % प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।
5. अन्य नियम विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित ही मान्य होंगे।

मन्त्र साधना पद्धति एवं चिकित्सा विषयक डिप्लोमा पाठ्यक्रम के उद्देश्य :–

1. मन्त्रों के उद्भव, स्वरूप, उद्देश्य व इसके मूल तत्वों को समझना व उन्हें आत्मसात् करना।
2. ऋषि–मुनियों के द्वारा साक्षात्कार के रूप में प्राप्त सार्वभौम एवं सार्वकालिक मन्त्रविद्या तथा तन्त्रागमविद्याओं को समझना व दैनिक जीवन में उनकी उपयोगिता का अध्ययन करना।
3. मन्त्रविद्या तथा तन्त्रविद्याओं के सैद्धान्तिक व प्रायोगिक पक्षों को समझना।
4. मन्त्रों के माध्यम से मन, शरीर एवं ब्रह्माण्ड के समन्वय को समझकर उसे आत्मरूपी तत्व के साथ जोडना व सत्य की अनुभूति करना।
5. मनोकायिक व्याधियों पर मन्त्रविद्या एवं तन्त्रविद्याओं के माध्यम से नियन्त्रण पाना।
6. स्वयं अभ्यास करना एवं व्यावहारिक कौशल प्राप्त करना।
7. मन्त्रविद्या तथा तन्त्रविद्या साधनाओं के परिष्कृत स्वरूप का निर्धारण करना।
8. चिकित्सा सिद्धान्त के सहायक के रूप में अध्यात्म सिद्धान्त को समझना।
9. भिन्न–भिन्न व्यक्तित्व हेतु समग्र सहायक के रूप में अध्यात्म मन्त्र साधना एवं तन्त्र साधना पद्धति को समझना व जन साधारण हेतु उपलब्ध करना।
10. नित्य नवीन अनुसंधान द्वारा मन्त्र साधना तथा तन्त्रसाधना पद्धतियों को उत्कर्ष बनाना।
11. मन्त्र साधना द्वारा जीवन मूल्यों को समझकर आत्मसात् करना।

Scanned with CamScanner

Diploma in Mantra Methodology & Therapy

'मंत्र साधना पद्धति और चिकित्सा विषयक डिप्लोमा पाठ्यक्रम'

I Paper :-

प्रथम प्रश्न पत्र – **श्रौतमन्त्र विद्या साधना विधिः** (200 अंक)

सैद्धान्तिक 120 अंक

प्रायोगिक 80 अंक

सैद्धान्तिक :–

1. ऋग्विधान (01 से 02 अध्याय) – शौनक कृत – 20 अंक
2. यजुर्विधान (01 से 02 अध्याय) – कात्यायन कृत –20 अंक
3. अथर्ववेदीय कर्मजव्याधि निरोध (01 से 02 अध्याय) –केशवदेव कृत – 30 अंक
4. अथर्व चिकित्सा विज्ञान (प्राकृतिक चिकित्सा खण्ड)–हीरालाल विश्वकर्मा कृत –30 अंक
5. पञ्च अथर्वशीर्ष –20 अंक

पाठ्यक्रम विषय :–

1. ऋग्विधान ग्रन्थ का परिचय, ग्रन्थ का विषय, प्रयोजन, इतिहासों का निरूपण, ग्रन्थकार का परिचय, भारतीय संस्कृति का मूलाधार श्रौतविद्या, श्रौत विद्या का परिचय, महत्व, एकविंशति यज्ञों का परिचय, पाकयज्ञ, हर्वियज्ञ, सोमयज्ञों का परिचय, विश्वकल्याण के लिए श्रौतविद्या का योगदान, पर्यावरण की संरक्षण मे श्रौतयज्ञों का महत्व, मंत्र विद्या का इतिहास, श्रौतमन्त्रविद्या का विषय, अध्ययन का प्रयोजन।
2. मंत्र विद्या के उपासनाओं के प्रकार,
3. आचारादि शौच नियमों का पाठ,
4. सन्ध्योपासना, नित्यकर्म, षोडश संस्कारों का परिचय,
5. ऋग्विधानग्रन्थोक्त मंत्रों का पाठ, अग्निसूक्त, श्रीसूक्त, पुरूषसूक्त, सूर्यसूक्त गणपतिसूक्त, देवीसूक्त, रुद्रसूक्त, विष्णुसूक्त, वरुणसूक्त, पवमानसूक्त इत्यादि।
6. ऋग्विधानग्रन्थोक्त मंत्रों की उपासना का फल निरूपण।
7. यजुर्विधानग्रन्थ का परिचय, ग्रन्थ का विषय, प्रयोजन, ग्रन्थकार आचार्य कात्यायन का परिचय, यजुर्विधानग्रन्थोक्त मंत्रों का पाठ, सूर्योपासनासूक्त, अग्निसूक्त, नासदीयसूक्त, शिवसंकल्पसूक्त, पुरूषसूक्त पाठ, स्वस्ति मंत्रों का पाठ।
8. यजुर्विधानग्रन्थोक्त मंत्रों तथा यज्ञ अनुष्ठानों का फल निरूपण,

Scanned with CamScanner

9. अथर्ववेदोक्त मंत्र विद्या का परिचय, मानव शरीर का परिचय,
10. व्याधियों का प्रकार, वैदिक चिकित्सा पद्धतियां,
11. अथर्ववेद का परिचय, लोकजीवन में उपयोगिता,
12. अथर्ववेदीय कर्मज व्याधियों का निवारण उपाय, व्याधि निदान, औषधियों का परिचय।
13. चित्तवृत्तियों का स्वरूप, मनोव्याधि चिकित्सा विषय, नाना प्रकार के रोगों का परिचय तथा निवारण की यज्ञानुष्ठान प्रविधियां,
14. दीर्घायुष्य प्राप्तिकर यज्ञानुष्ठान विधियां, गृह शुद्धि आदि शान्ति एवं पुष्टिकर्म, कृषिकर्म, लोकोपकारी यज्ञ अनुष्ठान, पर्यावरण संरक्षण हेतु यज्ञानुष्ठान विधियां तथा पर्जन्येष्टि यज्ञ प्रयोगानुष्ठान विधि।
15. पृथ्वी का प्रारम्भ वेदी, यज्ञ भूमि विचार, हवन कुण्डों का प्रकार, यज्ञ मण्डप का महत्व एवं अनेक प्रकार के कर्मज व्याधियों का निवारणों के उपायों का निरूपण।
16. अथर्व चिकित्सा विज्ञान ग्रन्थोंक्त प्राकृतिक खण्ड में वर्णित हस्तस्पर्श चिकित्सा, सूर्यरश्मिचिकित्सा, वायुचिकित्सा, अग्निचिकित्सा, जलोपचार, मन्त्रोपचार चिकित्सा, हवनोपचार तथा आश्वासन एवं उपचार चिकित्साओं का अध्ययन।

प्रायोगिक – उपरोक्त ग्रन्थों में निर्धारित विषयों के प्रयोग विधियों का मार्गदर्शन – 80 अंक

सहायक ग्रन्थ :–
1. ऋग्विधान (01 से 02 अध्याय) – शौनक कृत
2. यजुर्विधान (01 से 02 अध्याय) – कात्यायन कृत
3. अथर्ववेदीय कर्मजव्याधि निरोध (01 से 02 अध्याय) – केशवदेव कृत
4. अथर्वचिकित्सा विज्ञान (पृष्ठ 467–514) –डॉ. हीरालाल विश्वकर्मा, कृष्णदास एकेडमी, वाराणसी
5. पञ्च अथर्वशीर्ष – गीता प्रेस, गौरखपुर, जयपुर
6. वैदिक सात्विक का इतिहास – श्री गजानन शास्त्री, मुसलगांवकर एवं पं. राजेश्वर केशवशास्त्री, मुसलगांवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

Scanned with CamScanner

II Paper :-

द्वितीय प्रश्न पत्र – आगमिक मन्त्रविद्या साधना विधिः

सैद्धान्तिक :

1. मंत्र महोदधि – महीधर कृत –120 अंक

(200 अंक)
सैद्धान्तिक 120 अंक
प्रायोगिक 80 अंक

पाठ्यक्रम विषय :–

1. प्रथम तरंग :– मन्त्र महोदधि ग्रन्थ का परिचय, ग्रन्थ का विषय, ग्रन्थ का अध्ययन का महत्व, प्रयोजन, महीधर भट्ट का परिचय, मन्त्रों का वैदिक तांत्रिक आदि स्वरूप, शक्ति, विनियोग आदि का परिचय, मन्त्रों के ऋषि, देवता, छन्द, बीज, मन्त्रसिद्धि, मन्त्रसिद्धि के साधन, मन्त्रसिद्धि के लक्षण, वर्णमातृकाएं, द्वारपूजाक्रमः, प्राणायामः, सृष्ट्यादि न्यासः, अग्नि पूजनयन्त्रम्, अग्निध्यानम्, अग्नि अर्चनम, शक्ति तंत्रम्, पवित्र प्रतिपत्तिः, तर्पणादिकम् मंत्र संबंधित विविध जानकारियां।
2. द्वितीय तरंग :– गणेश मंत्र कथन, षड्क्षर मंत्र साधना, उच्छिष्ट गणपति मंत्रसाधना, पुरश्चरणविधिः।
3. चतुर्दशः तरंग :– भगवान विष्णु देवता का उपासना विधि।
4. पञ्चदश तरंग :– सूर्य उपासना विधि।
5. षोडश तरंग :– भगवान शिव का उपासना विधि।
6. अष्टादश तरंग :– चण्डी उपासना विधि।
7. एकविंशः तरंग, द्वाविंश तरंग में वर्णित विषय पाठनीय होगा।
8. चतुर्विंशः तरंग :– मंत्रशोधन निरूपणम्।
9. पंचविंशः तरंग :– षट्कर्मनिरूपणम्।

प्रायोगिक – उपरोक्त तंरगों में निर्धारित विषयों के प्रयोग विधियों का मार्गदर्शन – 80 अंक

गणेश मंत्र, गणेशध्यानम्, गणेशपञ्चावरणपूजाविधि, गणेश पूजनयन्त्रम्, उच्छिष्टविनायकध्यानम्, द्वादशार्णोमन्त्र, उच्छिष्टगणनाथमन्त्र, उच्छिष्टगणपतिध्यानम्, लक्ष्मीगणेशमन्त्र, लक्ष्मीगणेशध्यानम्, सप्तार्णमन्त्रोद्धार, व्रन्हिनवार्णमन्त्रोद्धार, जिह्वाबीजोद्धार, ब्रहमन्त्रोद्धार।

सहायक ग्रन्थ :–
1. मंत्र महोदधि (महीधर आचार्यकृत, व्याख्या सहित), चौखम्भा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी।
2. मंत्र शक्ति (I, II)– प्रो. रूद्रदेवत्रिपाठी, रंजन पब्लिकेशन दिल्ली
3. मंत्रमहार्णवः – व्याख्या सहित, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

28/06/2017

Scanned with CamScanner

III Paper :-

तृतीय प्रश्न पत्र – तंत्र विद्या साधना पद्धति (200 अंक)

सैद्धान्तिक :

सैद्धान्तिक 120 अंक
प्रायोगिक 80 अंक

1. एकादश तरंग (मंत्र महोदधि) –महीधर कृत –40 अंक
2. श्री भुवनेश्वरी वरिवस्या– दत्तात्रेयानन्दनाथकृत – 40 अंक
3. विंश तरंग (मंत्र महोदधि) –महीधर कृत –40 अंक

पाठ्यकम विषय :–

1. श्रीविद्यापरिचयः, श्रीविद्याकथनम्, मंत्रोद्धारः, षोडशाक्षरी, त्रिपुरसुन्दरी, श्रीविद्याकथनम्, आसन न्यास, बीज न्यास, वर्णन्यास, सम्मोहन न्यास, सृष्टि न्यास, स्थिति न्यास, पंचवृति न्यास,
2. गणेश मातृका न्यास, गृह मातृका न्यास, नक्षत्र न्यास, योगिनी न्यास, राशि न्यास, पीठ न्यास, श्री पूजा यत्रम् आदि,
3. कादि न्यास, हादि न्यास, (श्रीमुवनेश्वरीवरिवस्या ग्रन्थोक्त विविध तांत्रिक उपासना पद्धतियों का अध्ययन)
4. दश महाविद्याओं का सामान्य परिचय।
5. यन्त्रनिर्माण विधियों का परिचय।

प्रायोगिक – उपरोक्त विषयों के प्रायोगिक मार्गदर्शन का अध्ययन – 80 अंक

सहायक ग्रन्थ :– 1. मंत्र शक्ति (प्रथम खण्ड)– प्रो. रूद्रदेवत्रिपाठी, रंजन पब्लिकेशन दिल्ली
2. यन्त्र शक्ति (द्वितीय खण्ड) – प्रो. रूद्रदेवत्रिपाठी, रंजन पब्लिकेशन दिल्ली।
3. श्रीभुवनेश्वरीवरिवस्या – दत्तात्रेयानन्दनाथ, श्रीविद्यासाधनापीठ, वाराणसी।

Scanned with CamScanner

IV Paper :-

चतुर्थ प्रश्न पत्र – स्तुति परक मन्त्रविद्या साधना विधिः

सैद्धान्तिक :–

1. दुर्गासप्तशती – मार्कण्डेयपुराण – 80 अंक
2. सौन्दर्य लहरी–श्रीशंकराचार्य कृत – 40 अंक

(200 अंक)
सैद्धान्तिक 120 अंक
प्रायोगिक 80 अंक

पाठ्यक्रम विषय :–

1. सप्तशती पाठ विधि (मूल पाठ का अभ्यास), संकल्प, आवाहन, घटस्थापना, देवता आवहनादि सामान्य पूजा विधि।
2. देवी कवच, अर्गलास्तोत्र, कीलकस्तोत्र पाठ विधि।
3. शापोद्धार, वेदोक्त तथा तंत्रोक्त रात्रिसूक्त, नवार्ण मंत्र जप विधि, न्यासविधियों का पाठन।
4. प्रथम चरित्र (महाकाली चरित्र का पाठ)।
5. मध्यम चरित्र (महालक्ष्मी चरित्र का पाठ)।
6. उत्तम चरित्र (महासरस्वती चरित्र का पाठ)।
7. उत्तरन्यास, ऋग्वेदोक्त देवीसूक्त, तंत्रोक्त देवीसूक्त का पाठ।
8. रहस्यत्रय, देव्यापराधक्षमापनस्तोत्र, कुंजिकास्तोत्र का पाठ।
9. सौन्दर्य लहरी ग्रन्थ का व्याख्या सहित अध्ययन।

प्रायोगिक –उपरोक्त ईकाईयों में निर्धारित विषयों के प्रयोग विधियों का मार्गदर्शन – 80 अंक

नवचण्डी, सार्धनवचण्डी, शतचण्डी, सहस्रचण्डी, लक्षचण्डी तथा विविध कामना प्रयोगों का अध्ययन।
दुर्गायन्त्रार्चन, सम्पुटीकरण प्रयोग, हवन, तर्पण, बलिदान आदि प्रयोगों का अध्ययन।

सहायक ग्रन्थ :–

1. दुर्गासप्तशती – गीताप्रेस, गौरखपुर
2. दुर्गोपासनाकल्पद्रुमः – क्षेमराजश्रीकृष्णदास, मुम्बई
3. सौन्दर्य लहरी – लक्ष्मीधरी टीका, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर
4. दुर्गासप्तशती व्याख्या सहित–नागेशी टीका, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

27/02/2019

30/5/2020

Scanned with CamScanner